श्रौषट् *ind.* An exclamation or formula used in making an offering with fire to the gods or departed spirits; cf. वषट् or वौषट्.

श्लक्ष्ण *a.* [श्लिष्-क्स्न नि० Uṇ. 3. 19] 1 Soft, gentle, mild, bland (as words &c.); उवाच वचनं श्लक्ष्णं भूतभावनमव्ययम् Mb. 1. 7. 19. -2 Smooth, polished; यस्यामतिश्लक्ष्णतया गृहेषु विधातुमालेख्यमशक्नुवन्तः Śi. 3. 46; शाल्मलीफलके श्लक्ष्णे नेनिज्यान्नेजकः शनैः Ms. 8. 396. -3 Small, fine, thin, delicate; श्लक्ष्णं यत् परिहितमेतयोः किलान्तर्धानार्थं तदुदकसेकसक्तमूर्वोः Śi. 8. 65. -4 Beautiful, charming. -5 Candid, honest, frank. **-Comp. -त्वच्** *m.* Bauhinia Tomentosa (Mar. आपटा). **-पत्रकः** ebony. **-पिष्ट** *a.* ground fine. **-वाच्** kindly speaking.

श्लक्ष्णक *a.* 1 Smooth, soft. -2 Beautiful, charming. **-कम्** The Arecanut.

श्लङ्क् 1 Ā. (श्लङ्कते) To go, move.

श्लङ्ग् 1 Ā. (श्लङ्गते) To go, move.

श्लथ् 1 P. (श्लथति) 1 To be loose or slackened; श्लथद्दुकूलं कबरीं च विच्युताम् Bhāg. 8. 12. 21. -2 To be weak or infirm. -3 To hurt, kill. *-Caus.* (श्लथयति-ते) To slacken, loosen, relax (fig. also); श्लथयितुं क्षणमक्षमताङ्गना न सहसा सहसा कृतवेपथुः Śi. 6. 57; परित्राणस्नेहः श्लथयितुमशक्यः खलु यथा G. L. 37.

श्लथ *a.* 1 Untied, unfastened. -2 Loose, relaxed, loosened, slipped off; वृन्ताच्छ्लथं हरति पुष्पमनोकहानाम् R. 5. 69; 19. 26. -3 Dishevelled (as hair). **-Comp. -उद्यम** *a.* relaxing one's efforts. **-बन्धनम्** having the muscles relaxed; Rs. **-लम्बिन्** *a.* hanging loosely down; श्लथलम्बिनीर्जटाः Ku. 5. 47.

श्लाख् 1 P. (श्लाखति) To pervade, penetrate.

श्लाघ् 1 Ā. (श्लाघते) 1 To praise, extol, commend, applaud; शिरसा श्लाघते पूर्वं (गुणं) परं (दोषं) कण्ठे नियच्छति Subhāṣ.; यथैव श्लाघ्यते गङ्गा पादेन परमेष्ठिनः Ku. 6. 70 (some read श्लाघते for श्लाघ्यते and give it the next sense). -2 To boast of, be proud of; श्लाघिष्ये केन को बन्धून्वेष्यत्युन्नतिमुन्नतः Bk. 16. 4. -3 To flatter, coax (with dat.); गोपी कृष्णाय श्लाघते Sk.; श्लाघमानः परस्त्रीभ्यस्तत्रागाद्राक्षसाधिपः Bk. 8. 73.

श्लाघनम् [श्लाघ्-ल्युट्] 1 Praising, eulogizing. -2 Flattering. *-a.* Boasting, a boaster; Mb. 5.

श्लाघा [श्लाघ्-अ] 1 Praise, eulogy, commendation; कर्णजयद्रथयोर्वा कात्र श्लाघा Ve. 2. -2 Self-praise, boast; हते जरति गाङ्गेये पुरस्कृत्य शिखण्डिनम्। या श्लाघा पाण्डुपुत्राणां सैवास्माकं भविष्यति ॥ Ve. 2. 4. -3 Flattery. -4 Service. -5 Wish, desire. -6 Pleasure, delight in anything. **-Comp. -विपर्ययः** absence of boasting; त्यागे श्लाघाविपर्ययः R. 1. 22.

श्लाघित *p. p.* Praised, eulogized, commended.

श्लाघिन् *a.* 1 Haughty; अभिगर्जन्ति हरयः श्लाघिनः परशङ्कया Bhāg. 8. 2. 6. -2 Proud, boasting. -3 Celebrated, famous.

श्लाघ्य [श्लाघ्-ण्यत्] Praised, praiseworthy; श्लाघ्यान्वयेति नयनोत्सवकारिणीति Māl. 6. 17; U. 4. 9, 13. -2 Respectable, venerable. -3 Laudable, commendable.

श्लिकुः [श्लिष्-कु नेत्वम् पृषो० Uṇ. 1. 32] 1 A debauchee, libertine. -2 A slave, dependent. *-n.* The science of astronomy, astrology.

श्लिक्युः 1 A libertine. -2 A servant.

श्लिष् I. 1 P. (श्लेषति) To burn. -II. 4 P. (श्लिष्यति, श्लिष्ट) 1 To embrace; श्लिष्यति चुम्बति जलधरकल्पं हरिरुपगत इति तिमिरमनल्पम् Gīt. 6. -2 To stick, cling or adhere to. -3 To unite, join. -4 To grasp, take, understand; आश्लेषि न श्लेषकवेर्भवत्याः श्लोकद्वयार्थः सुधिया मया किम् N. 3. 69. -5 (Ā.) To result, be the consequence of anything. -III. 10 U. (श्लेषयति-ते) To unite, join, connect.

श्लिषा 1 An embrace. -2 Clinging, adherence.

श्लिष्ट *p. p.* [श्लिष्-क्त] 1 Embraced. -2 Clung, adhered to. -3 Resting or leaning on. -4 Involving a pun, susceptible of a double interpretation; अत्र विषमादयः शब्दाः श्लिष्टाः K. P. 10. -5 Fitting tight (as a coat of mail); विबभौ सर्वतः श्लिष्टम् (वर्म) Mb. 7. 127. 18. **-Comp. -रूपकम्** ambiguity as a metaphor; राजहंसोपभोगार्हं भ्रमरप्रार्थ्यसौरभम्। सखि वक्त्राम्बुजमिदं तवेति श्लिष्टरूपकम् ॥ Kāv. 2. 87. **-वर्त्मन्** the adhering together of the eyelids.

श्लिष्टिः *f.* 1 Embrace. -2 Adherence.

श्लेषः [श्लिष्-घञ्] 1 An embrace. -2 Clinging or adhering to. -3 Union, junction, contact; निरन्तरश्लेषघनाः K. (where it has the next sense also). -4 Pun, paronomasia, *double entendre*, susceptibility of a word or sentence to yield two or more interpretations (regarded as a figure of speech and very commonly used by poets; for def. see K. P. Kārikas 84 and 96); आश्लेषि न श्लेषकवेर्भवत्याः श्लोकद्वयार्थः सुधिया मया किम् N. 3. 69; see शब्दश्लेष also. -5 Burning. -6 Sexual union; ततो गर्भः संभवति श्लेषात् स्त्रीपुंसयोर्नृप Mb. 13. 111. 30. -7 A grammatical augment. **-Comp. -अर्थः** a pun, *double entendre*. **-उपमा** a comparison containing double meanings; शिशिरांशुप्रतिद्वन्द्वि श्रीमत् सुरभिगन्धि च। अम्भोजमिव ते वक्त्रमिति श्लेषोपमा स्मृता ॥ Kāv. 2. 28. **-भित्तिक** *a.* trusting on (lit. having for its basis) a Śleṣa.

श्लेषक *a.* Attaching, connecting.

श्लेषिन् *a.* Adhering, clinging.

श्लेषा An embrace; अन्योन्यश्लेषयोत्तुङ्गनिरन्तरपयोधराम् Bhāg. 3. 20. 30.

श्लीपदम् Swelled leg, elephantiasis. **-Comp. -अपहः** removing elephantiasis, the पुत्रजीवी tree, Putrañjiva Roxburghii. **-प्रभवः** the mango tree.